मुख्य परीक्षा

प्रश्न-राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की आपदा प्रबंधन में क्या भूमिका है? यह किस प्रकार सबसे महत्त्वपूर्ण बचाव दल के रूप में चुनौतियों का सामना करता है? उदाहरण सहित इसकी श्रेष्ठता स्थापित कीजिए।

(250 शब्द)

What is the role of National Disaster Response Force (NDRE) in disaster management? In which way it deals with the challenges as the most important rescue forces. Establish its eminence with examples.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) को बताएं।
- अगले पैराग्राफ में NDRF के द्वारा आपदाओं के समय किए गए प्रमुख कार्यों का उल्लेख करें।
- फिर अगले पैराग्राफ में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभियानों का उदाहरण देकर इसकी श्रेष्ठता बताएं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (National Disaster Response Force- NDRF) एक विशेष अनुक्रिया बल है, जिसे किसी भीषण आपदा की आशंका की स्थिति में या आपदा के दौरान तैनात किया जा सकता है। यह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के नियंत्रण में कार्य करता है। इसकी अध्यक्षता महानिदेशक रैंक के अधिकारी द्वारा की जाती है, जो मूलत: भारतीय पुलिस सेवा (IPS) से होता है।

अभी इस बल में 12 बटालियन शामिल हैं, जिसमें बी.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ की तीन-तीन बटालियन और सी.आई.एस.एफ., आई.टी.बी.पी. तथा सशस्त्र सीमा बल (SSB) की दो-दो बटालियन शामिल हैं।

आपदा प्रबंधन में NDRF द्वारा किए गए कार्य:-

- मानवीय और प्राकृतिक आपदा के दौरान विशेषज्ञ प्रतिक्रिया उपलब्ध कराना, जिससे बचाव एवं राहत कार्य का प्रभावी निष्पादन संभव हो सके।
- NDRF आपदाओं के दौरान चलाए जाने वाले राहत कार्यों में अधिकारियों की मद्द में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- आपदाओं में बचाव या राहत कार्य के दौरान अन्य संलग्न एजेंसियों के साथ समन्वय कर यह बल बचाव या राहत कार्य को संपूर्णता प्रदान करता है।
- NDRF की सभी बटालियन तकनीकी दक्षता से युक्त हैं और विभिन्न प्रकार की विशेषज्ञ योग्यताओं से सुसज्जित हैं।
- यह अपनी चार टुकड़ियों के माध्यम से रेडियोलॉजिक, जैविक, नाभिकीय और रासायनिक आपदाओं से निपटने में भी सक्षम है।

वर्तमान में NDRF ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभियान के साथ सामुदायिक जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया है। NDRF अंतर्राष्ट्रीय अभियानों: जैसे-2011 में जापान सुनामी के समय संलिप्तता तथा 2015 में नेपाल भूकम्प में घटना स्थल पर सर्वप्रथम पहुँचने वाली राहत टीम थी, जिसने 'गोल्डन ऑवर्स' में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए लोगों को जिन्दा बचाया था। वहीं दूसरी ओर, राष्ट्रीय स्तर पर 2008 में कोसी नदी के बाढ़ के समय पाँच सबसे प्रभावित जिलों में युद्ध स्तर पर काम करने की वजह से मुख्यमंत्री ने NDRF को काफी सराहा था। इसी प्रकार मई, 2010 में दिल्ली स्थित मायापुरी में कोबाल्ट-60 रेडियोएक्टिव सामग्री का पता लगाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उत्तराखण्ड त्रासदी (2013) एवं अभी हाल ही में केरल राज्य में आयी बाढ़ में भी NDRF ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।